बिहार विधान-सभा वादवृत्त

शुक्रवार, तिथि 19 जुलाई, 1991 ई०

(भाग-1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण ।

सभा का अधिवेशन पटना के सभा सदन में शुक्रवार, तिथि 19 जुलाई, 1991 ई० को पूर्वाह्न 9.00 बजे अध्यक्ष श्री गुलाम सरवर के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।

पटना
तिथि : 19 जुलाई, 1991 ई०

चन्द्रशेखर शर्मा,
सचिव
बिहार विधान-सभा

चिकित्सकों का पद सृजित करने का विचार रखती है, यहां हां तो कबतक ?

(3) स्त्री रोग विशेषज्ञ ।
(4) शिशुरोग विशेषज्ञ ।
इन पदों के अतिरिक्त दंत चिकित्सक एवं मूर्छक के पद सृजन के प्रस्ताव में प्राधिकृत समिति की अनुशंसा 1991–92 में प्राप्त हो चुकी है। मंत्रिपरिषद् के अनुमोदनो परान्त स्वीकृत्यादेश निर्गत करने के लिए कार्रवाई की जायेगी ?

"चिकित्सक का पदस्थापन"

1081. श्री सतीश कुमार : श्रीमति सुधा श्रीवास्तव : क्या मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि–

(1) क्या यह बात सही है कि डा० चन्दन प्रसाद क्षेत्रीय जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी, पटना के पद पर 7 वर्षों से पदस्थापित है;

(1) उत्तर नाकारात्मक है। डा० चन्दन प्रसाद सिंह, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी, पटना के पद पर दिनांक 25–7–89 से पदस्थापित हैं।

(2) क्या यह बात सही है कि क्षेत्रीय सह-जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी के पद पर 12.5 अथवा 20 प्रतिशत कोटि के चिकित्सक को पदस्थापित करने का प्रावधान है;

(2) उत्तर नकारात्मक है। जिला कुष्ठ निवारण पदा० पटना का पद मूलकोटि का है क्षेत्रीय सह जिला कुष्ठ निवारण पदा० का कोई पद नहीं है।

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार क्षेत्रीय जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी पटना के पद पर साढ़े बारह प्रतिशत अथवा बीस प्रतिशत कोटि के चिकित्सक को पदस्थापित करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक नहीं तो क्यों ?

(3) प्रश्न नहीं उठता ।

''अनियमितता के विरुद्ध कार्रवाई''

1085. श्री कान्त निराला : क्या मंत्री, स्वास्थ्य एवं प० क० विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

श्रीमति सुधा श्रीवास्तव :

(1) क्या यह बात सही है कि सरकार के राज्यादेश सं० 955 (11) दिनांक 9.10.90 एवं 60 (11) दिनांक 24.1. 91 द्वारा अराजपत्रित कुष्ठ कर्मचारियों के वित्तीय कार्यो के लिए कुष्ठ नियंत्रक पदाधिकारियों को निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी घोषित किया गया है;

(1) उत्तर स्वीकारात्मक है।